महिलाओं की श्रम-भागीदारी: अवैतनिक देखभाल कार्य की दीवार और डेटा की तलाश



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

सरकार महिलाओं की श्रम-भागीदारी की असली रुकावट को **डेटा से पढ़ने** की तैयारी में है। इंडियन एक्सप्रेस (16 नवंबर 2026) के अनुसार **MoSPI** (सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय) अपने दो प्रमुख सर्वेक्षणों - **PLFS** और **ASUSE** - में ऐसे बदलाव प्रस्तावित कर रहा है जो **अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्य** को पहली बार ठीक से मापेंगे। विश्व बैंक का अनुमान है कि महिला श्रम-भागीदारी दर (FLFPR) को मौजूदा **34.6%** (सितंबर 2026) से बढ़ाकर **50%** करने से विकसित भारत-2047 के लिए ज़रूरी ~8% विकास दर की राह आसान होगी - लेकिन महिलाएँ पैदा काम से बाहर क्यों रहती हैं, इसका पूरा डेटा अभी नहीं है।

MoSPI के प्रस्तावित बदलाव

- **PLFS में:** घर में बने सामान/सेवाएँ (खाना पकाना, बच्चों को खिलाना, बुज़ुर्गों की देखभाल) स्व-उपभोग के लिए हैं या व्यावसायिक; पिछले 30 दिनों में सक्रिय रूप से काम ढूँढा या नहीं; फिलहाल काम करने की इच्छा है या नहीं; काम न ढूँढने के **मुख्य कारण** - परिवार और घरेलू ज़िम्मेदारियाँ समेत।
- **मौजूदा कमी:** PLFS पहले भी कारण पूछता था, पर "बच्चों की देखभाल/घरगृहस्थी" जैसे वर्ग बहुत सामान्य हैं। 2025 में **44.4% महिलाओं** ने काम न ढूँढने का कारण यही बताया; डेटा यह नहीं बताता कि अवैतनिक काम **पसंद** से किया गया या **सामाजिक अपेक्षा/कर्तव्य-बोध** से।
- **ASUSE में:** महिला उद्यमियों से बाधाएँ पूछी जाएँगी - उद्यम के लिए समय की कमी, घर से बाहर आवाज़ाही की सीमाएँ, घरेलू और देखभाल ज़िम्मेदारियाँ।

टाइम यूज़ सर्वेक्षण क्या कहता है

सरकार के **टाइम यूज़ सर्वेक्षण (2019 और 2024)** असमानता स्पष्ट करते हैं: कार्यक्षम आयु (15-59 वर्ष) के पुरुष 2024 में अवैतनिक गतिविधियों में रोज़ाना **62 मिनट** (2019 में 74) देते थे, जबकि महिलाएँ **366 मिनट** (2019 में 364) - यानी लगभग **छह गुना अधिक**। दिलचस्प बात: इसी दौरान महिला LFPR लगभग **26.5% से बढ़कर 43.6%** हुई। यानी अवैतनिक काम और बढ़ती भागीदारी साथ-साथ चल रहे हैं - इसलिए "देखभाल = काम छोड़ना" जैसा सीधा निष्कर्ष बिना अच्छे डेटा के नहीं निकालना चाहिए।

संरचनात्मक बाधाएँ: तमिलनाडु का सबक़

अवैतनिक देखभाल समस्या का एक हिस्सा है; रोज़गार में वापसी के लिए **उचित वेतन, कार्यस्थल की निकटता, सुरक्षित परिवहन और रहने की व्यवस्था** भी चाहिए। तमिलनाडु में देश में सीधे नियोजित महिला फ़ैक्टरी-कर्मचारियों में से **हर दस में से चार** हैं - राज्य ने चीन के मॉडल के तत्व अपनाए हैं: फ़ैक्टरियों के पास या औद्योगिक परिसरों में महिला कर्मियों के लिए **डॉरमेटरी/हॉस्टल**। इससे आवागमन की दूरी और सुरक्षा की दो बाधाएँ एक साथ कम होती हैं और प्रवासी महिलाओं का रोज़गार संभव होता है।

आगे की राह

- किफ़ायती क्रेश, चाइल्डकेयर और बुज़ुर्ग-देखभाल की सुविधाएँ बढ़ाना (केयर इन्फ़्रास्ट्रक्चर)।
- अवैतनिक कार्य की **मापन और मान्यता** बढ़ाना।
- घरेलू ज़िम्मेदारियों का **साझा वितरण** बढ़ावा।
- सुरक्षित परिवहन, किफ़ायती आवास और लैंगिक-संवेदनशील कार्यस्थल।
- महिला उद्यमियों के लिए ऋण, कौशल, बाज़ार और लचीली व्यवस्थाएँ।
- PLFS/ASUSE के विस्तृत डेटा से **क्षेत्र-विशेष नीतियाँ**।

एक सीमा भी नोट करें: निष्कर्षों की विश्वसनीयता उत्तरदाताओं की सही रिपोर्टिंग पर निर्भर करेगी - MoSPI अधिकारियों का मानना है कि लोग काम सामान्यतः सही बताते हैं, यद्यपि सरकारी लाभ की अपेक्षा कभी-कभी उत्तरों को प्रभावित कर सकती है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: टाइम यूज़ सर्वेक्षण (2024) के अनुसार अवैतनिक गतिविधियों में रोज़ाना बिताया गया औसत समय (15-59 आयु वर्ग) क्या था?

(a) पुरुष 366 मिनट, महिलाएँ 62 मिनट

(b) पुरुष 62 मिनट, महिलाएँ 366 मिनट

(c) पुरुष 74 मिनट, महिलाएँ 364 मिनट

(d) दोनों लगभग 200 मिनट

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) 2024 में पुरुष 62 मिनट (2019 में 74) और महिलाएँ 366 मिनट (2019 में 364) - महिलाएँ लगभग छह गुना अधिक समय अवैतनिक कार्यों में देती हैं।

प्रश्न 2: MoSPI द्वारा बदलाव प्रस्तावित किए जाने वाले दो सर्वेक्षण कौन-से हैं?
1. पीरियोडिक लेबर फ़ोर्स सर्वे (PLFS)
2. एनुअल सर्वे ऑफ़ अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइज़ेज़ (ASUSE)
3. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) बदलाव PLFS (अवैतनिक कार्य और रोज़गार-इच्छा के प्रश्न) और ASUSE (महिला उद्यमियों की बाधाएँ) में प्रस्तावित हैं; NFHS स्वास्थ्य-सर्वेक्षण है, इसमें शामिल नहीं।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "महिलाओं की श्रम-भागीदारी बढ़ाने का रास्ता अवैतनिक देखभाल कार्य के बेहतर मापन और संरचनात्मक बाधाओं के समाधान से गुज़रता है।" MoSPI के प्रस्तावित सर्वेक्षण-बदलावों के आलोक में चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

रूपरेखा: भूमिका - FLFPR 34.6% और विकसित भारत-2047; समस्या - 44.4% महिलाओं का "देखभाल/घरगृहस्थी" कारण, TUS की 6 गुना असमानता; बदलाव - PLFS/ASUSE के नए प्रश्न; संरचना - तमिलनाडु मॉडल, केयर इन्फ्रा; सीमा - डेटा-विश्वसनीयता; निष्कर्ष - साक्ष्य-आधारित नीति से समावेशी विकास।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: MoSPI अपने PLFS और ASUSE सर्वेक्षणों में ऐसे बदलाव ला रहा है जो अवैतनिक घरेलू-देखभाल कार्य, काम न ढूँढने के वास्तविक कारण और महिला उद्यमियों की बाधाओं को मापेंगे - ताकि महिला श्रम-भागीदारी बढ़ाने की नीतियाँ सही डेटा पर बनें।

प्रश्न: अवैतनिक देखभाल कार्य श्रम-भागीदारी को कैसे रोकता है?

बच्चों-बुज़ुर्गों की देखभाल और घरेलू कामों का असमान बोझ (महिलाएँ रोज़ाना ~366 मिनट बनाम पुरुष ~62 मिनट) महिलाओं का समय और आवाज़ाही सीमित करता है, जिससे वे वैतनिक काम से बाहर रह जाती हैं या काम की तलाश ही नहीं करतीं।

प्रश्न: PLFS में कौन-से नए प्रश्न जुड़ेंगे?

घर में बना उत्पादन स्व-उपभोग के लिए है या व्यावसायिक; पिछले 30 दिनों में काम ढूँढा या नहीं; काम करने की इच्छा; और काम न ढूँढने के मुख्य कारण - जिससे "पसंद" और "सामाजिक दबाव" में अंतर समझा जा सके।

प्रश्न: तमिलनाडु मॉडल क्या है?

फ़ैक्टरियों के पास या औद्योगिक परिसरों में महिला कर्मियों के लिए डॉरमेटरी/हॉस्टल - आवागमन और सुरक्षा की बाधाएँ कम कर प्रवासी महिलाओं के रोज़गार को संभव बनाना; राज्य में देश की हर दस में से चार सीधे नियोजित महिला फ़ैक्टरी-कर्मचारी हैं।

स्रोत

- इंडियन एक्सप्रेस (Explained, 16 नवंबर 2026): अवैतनिक देखभाल कार्य और MoSPI के सर्वेक्षण-बदलाव - PLFS/ASUSE/TUS आँकड़े इसी रिपोर्ट से (MoSPI आधिकारिक सर्वेक्षण-प्रकाशन अलग से; संकलित आँकड़ों का एकल आधिकारिक दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं)
- MoSPI (आधिकारिक संस्था): PLFS और टाइम यूज़ सर्वेक्षण के मूल प्रकाशन